

<><><><><><><>

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दो सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया है।
- कैम्पबेल बे के सहायक आयुक्त कार्यालय की ओर से हवाई यात्रा अनुरोध को देखते हुए परामर्श जारी किया गया है।
- पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया जाएगा।
- बास्केटबॉल एसोसिएशन की ओर से 23 मई को चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग-एन एच आर सी ने दो सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विश्वविद्यालय स्तर के विभिन्न शैक्षणिक विषयों के 80 छात्रों को एक हजार सात सौ 95 आवेदकों में से चुना गया है। दो सप्ताह के इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण की व्यापक समझ प्रदान करना है।

अपने संबोधन में एन एच आर सी के महासचिव भरत लाल ने कहा कि युवा भारत की सबसे पुरानी सभ्यता के सहानुभूति, करुणा और न्याय के सिद्धांतों के पथ प्रदर्शक हैं। उन्होंने छात्रों से न्याय, समानता और गरिमा के राजदूत के रूप में सेवा करने का आग्रह किया और छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे इस अवसर का उपयोग भारत के संवैधानिक ढांचे को समझने तथा मानवाधिकारों और सभी की गरिमा के लिए काम करने में करें।

<><><><><><><>

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने आज भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज सुबह राष्ट्रपति भवन में एक विशेष समारोह में न्यायमूर्ति बी. आर. गवई को पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति गवई ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लिया है, जिनका कार्यकाल कल समाप्त हो गया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्रियों, और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

<><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने अंडमान विज्ञान संघ और गुजरात प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से श्री विजयपुरम में "प्राकृतिक खेती के माध्यम से टिकाऊ कृषि" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र में एस डब्ल्यू एम के ए डी जी डॉ. ए. वेलमुरुगन मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में मृदा स्वास्थ्य, किसानों की आजीविका और कृषि-पारिस्थितिक संतुलन के लिए प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने "प्राकृतिक खेती में माइक्रोबियल गतिशीलता का उपयोग" विषय पर जानकारी देते हुए पौधों के स्वास्थ्य में मिट्टी के माइक्रोबायोटा की भूमिका के बारे में बताया। गुजरात प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सी. के. टिंबाडिया ने प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। कार्यशाला में वैज्ञानिकों, किसानों और हितधारकों ने भाग लिया। इसके अलावा कार्यशाला में मिनीकॉय, लक्षद्वीप, के वी के निंबूडरा और कार निकोबार के प्रतिभागियों ने वर्चुअल रूप से भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, विस्तार कर्मियों और किसानों ने द्वीप पारिस्थितिकी प्रणालियों के अनुकूल टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल खेती प्रणालियों पर विचार-विमर्श किया।

<><><><><><><>

कैम्पबेल बे के सहायक आयुक्त कार्यालय की ओर से हवाई यात्रा अनुरोध को देखते हुए परामर्श जारी किया गया है। 5, 6, 12 और 13 मई को हवाई सेवाओं के रद्द होने के कारण सहायक आयुक्त कार्यालय में हवाई यात्रा के अनुरोधों का अतिरिक्त दबाव बन गया है। सहायक आयुक्त कार्यालय ने सभी सरकारी और निजी यात्रियों को गैर-जरूरी उद्देश्यों के लिए यात्रा करने से बचने और कैम्पबेल बे से श्रीविजयपुरम तक हवाई टिकटों के आधार पर मुख्य भूमि की आगे की यात्रा की योजना न बनाने की सलाह दी है। ऐसे यात्रियों को जहाज से यात्रा करने को कहा गया है। कार्यालय इस सप्ताह हवाई यात्रा के लिए केवल चिकित्सा और अन्य जरूरी व्यक्तिगत मामलों पर विचार करेगा।

<><><><><><><>

